14 सितम्बर 2020

विशेष रिपोर्ट

जीरा

smc
Moneywise. Be wise.

वर्ष की पहली तिमाही में, जीरा वायदा की कीमतें 1,5850 रुपये के उच्च स्तर से 12750 रुपये प्रति क्विंटल तक लुढ़क गई, क्योंकि भारत से जीरे के सबसे बड़े खरीदार चीन की ओर से कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण मांग कम होने के कारण कीमतों पर दबाव पड़ा। दूसरी बात यह है कि नई फसल आने के कारण मार्च/अप्रैल के दौरान सप्लाई काफी अधिक थी। इसके बाद, कीमतें साइडवेज कारोबार करते हुए स्थिर हो गई और कीमतों में 14580 तक स्थिर रिकवरी देखी गई। प्रमुख कारक जिसने कीमतों को मदद मिली वह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय जीरे का सस्ता होना है जिससे निर्यात सौदे हो रहे है। वैश्विक बाजारों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत ने अपने गुणवत्ता युक्त मसालों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग को पूरा किया है। वैश्विक महामारी की स्थिति के मद्देनजर, गुणवत्ता बढ़ाने वाले गुणों के लिए भारतीय मसालों की मांग बढ़ रही है। 2019-20 में, जीरा दूसरा सबसे अधिक निर्यात किया जाने वाला मसाला था, वॉल्यूम के हिसाब से 16% की वृद्धि और मूल्य के हिसाब से 12% की वृद्धि दर्ज की गई। आउटलुक

आगामी दिनों में हम जीरे में कुछ कमजोरी देख सकते हैं, इसका कारण रबी की फसल है और बेहतर उपज के लिए अच्छी मिट्टी की नमी की आवश्यकता होती है । इस वर्ष मानसून ने इस आवश्यकता को लगभग पूरा कर दिया है। जीरा उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय दोनों जलवायु में अच्छी तरह से बढ़ता है और यह सभी प्रकार की मिट्टी में अच्छी तरह से खेती होती है।

मॉनसून-प्रमुख कारक

कुल मिलाकर, देश भर में 1973 के बाद से अगस्त के महीने में सबसे अधिक बारिश है, जब बारिश 27 प्रतिशत से अधिक हुई थी। अधिक बारिश ने न केवल जुलाई में बारिश की कमी की भरपाई की है, बल्कि इस सीजन में संभवत: अधिक बारिश होने की संभावना है। इस वर्ष मॉनसून से राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पश्चिम के कुछ हिस्सों और मध्य भारत के कई हिस्सों में इतनी अधिक वर्षा हुई है कि कई क्षेत्रों से बाढ़ की स्थिति सामने आई है। इसलिए, एक उम्मीद है कि बुवाई क्षेत्र इस मौसम में बढ़ सकता है। लेकिन, इस वर्ष जीरा को सरसों और चना के मुकाबले भी कड़ी टक्कर मिलेगी क्योंकि इन दोनों ही कमोडिटीज ने शानदार प्रदर्शन किया है।

मांग-सप्लाई परिदृश्य

पिछले साल, सीजन 2019-20 (अक्टूबर-सितंबर) में 5,35,500 टन जीरा उत्पादन का अनुमान था, जबकि 2018-19 में 4,16,600 टन उत्पादन हुआ था। जीरा का कुल उत्पादन क्षेत्र लगभग 25% बढ़ 10,25,600 हेक्टेयर हो गया था। दो जीरा उत्पादक राज्यों में से एक गुजरात में कुल उत्पादन क्षेत्र 2018-19 (अक्टूबर-सितंबर) के 3,39,000 हेक्टेयर की तुलना में 40% की उछाल के साथ 4,39,830 हेक्टेयर हो गया है। जबकि राजस्थान में 2018-19 (अक्टूबर-सितम्बर) के 5,06,000 हेक्टेयर के मुकाबले जीरा का उत्पादन क्षेत्र में 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5,85,770 हेक्टेयर हो गया है। सीजन 2019-20 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए कुल पैदावार 522 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होने का अनुमान था।

उत्पादकों की नजर निश्चित रूप से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात मांग पर रहेगी, क्योंकि सीरिया और तुर्की की तुलना में भारतीय जीरा की मांग अच्छी है। चीन के साथ, यूएई और वियतनाम की ओर से भी भारतीय जीरा की मांग में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, भारतीय जीरा की यूरोपीय देशों को निर्यात के लिए खरीददारी में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से सीरिया में उत्पादन कम होने की सूचना है।

सीजनॉलिटी

अब, यदि हम 13 वर्षों के आंकड़ों पर विचार करते हुए मौसमी बदलाव पर करीब से नजर डालें, तो देखा गया है कि कई बार जीरा ने नकारात्मक रिटर्न दिया है। कारण यह है कि बाजार बुवाई के आंकड़ों से संकेत लेता है और उसी के अनुसार प्रतिक्रिया करता है।

	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019
जनवरी	-8%	3%	-3%	10%	-19%	3%	-8%	-8%	-4%	-8%	-7%	1%	-24%	-10%
फरवरी	0%	24%	-5%	-3%	-3%	18%	-4%	-4%	-5%	0%	4%	-6%	-10%	-3%
मार्च	-1%	12%	-12%	9%	-2%	-10%	-15%	0%	-13%	0%	11%	6%	-3%	2%
अप्रैल	2%	-2%	20%	1%	14%	-3%	3%	-1%	5%	21%	12%	9%	8%	8%
मई	8%	-2%	13%	-14%	-7%	-7%	5%	2%	6%	-1%	-6%	-10%	3%	3%
जून	3%	5%	5%	2%	7%	4%	4%	0%	1%	-9%	10%	7%	14%	-1%
जुलाई	27%	-9%	8%	10%	13%	9%	13%	-2%	-1%	-5%	9%	2%	9%	3%
अगस्त	2%	-11%	-11%	-6%	-7%	-2%	-6%	5%	0%	7%	-10%	3%	-5%	-4%
सितम्बर	-1%	-9%	-5%	3%	0%	-6%	-6%	-6%	-4%	-3%	-3%	-3%	-2%	2%
अक्टूबर	5%	15%	-1%	11%	-4%	-2%	5%	-2%	4%	2%	1%	-3%	10%	-4%
नवम्बर	-2%	-14%	-4%	29%	11%	-6%	-1%	0%	7%	-1%	6%	17%	-9%	-1%
दिसम्बर	6%	10%	0%	-11%	0%	19%	3%	1%	29%	-9%	-3%	-1%	-5%	0%

जीरा वायदा का फारवर्ड कर्व

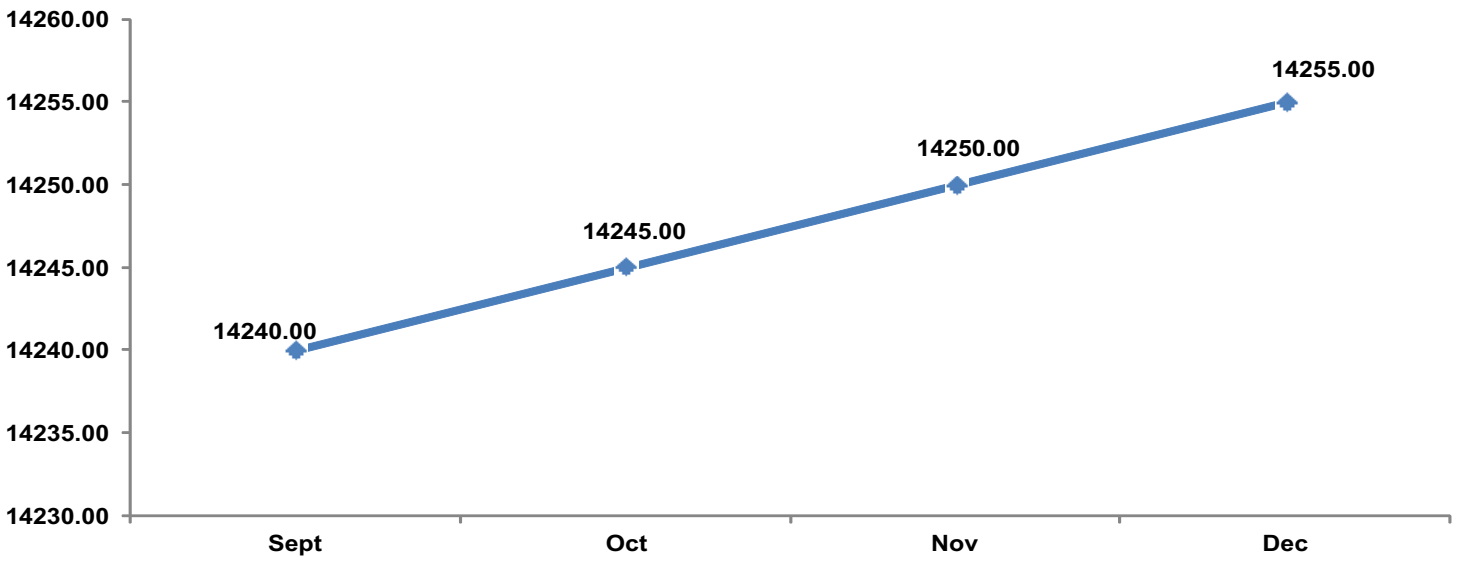

स्रोतः एनसीडीईएक्स

31 अगस्त 2020 का बंद भाव

वर्तमान परिदृश्य में, कोविड-19 और प्रमुख उत्पादक राज्यों में बाढ़ की स्थिति के कारण हाजिर बाजारों में आपूर्ति कम होने के कारण फॉरवर्ड कर्व में मामूली गिरावट देखी जा रही है, जबकि मौजूदा मूल्य स्तर पर मांग बनी हुई है। लेकिन, आगे बढ़ते हुए, जैसे ही बुवाई अगले महीने शुरू होगी, हम नरमी का रूझान देख सकते हैं । निर्यात की मांग भी शायद धीमी हो जाएगी क्योंकि नमी बढ़ जाएगी।

जीरा वायदा का मासिक चार्ट (अक्टूबर)

स्रोतः रॉयटर

31 अगस्त 2020 का बंद भाव

आउटलुक : इसलिए, जीरा वायदा (अक्टूबर) की कीमतों में बढ़ोतरी होने बिकवाली की सलाह है क्योंकि इसे हाल ही में पिछले उच्च स्तर 14490 और 14580 के आसपास प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। आने वाले दिनों में, हम कीमतों में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं और यदि कीमतें पिछले महीने के निचले स्तर 13800 से नीचे टूट जाती है तो यह गिरावट 13000 रू तक हो सकती है ।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Moneywise. Be wise.

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor , Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।